



Ministry of Cooperation | सहकारिता मंत्रालय  
Government of India | भारत सरकार



# NCCT CO-OP NEWS BULLETIN

Date: 04.03.2024

| Sr No | Date       | Publication        | Edition/Language  | Page no. | Circulation |
|-------|------------|--------------------|-------------------|----------|-------------|
| 1.    | 02-03-2024 | Telangana Melakuva | Telangana/ Telugu |          |             |
| 2.    | 02-03-2024 | Indraprabha        | Telangana/ Telugu |          |             |
| 3.    | 03-03-2024 | Srishti Jagran     | Mujaffarpur/Hindi | 1        |             |
| 4.    | 03-03-2024 | Srinagar e Jang    | Srinagar/ Urdu    | 1        |             |
| 5.    | 03-03-2024 | PRP News           | Telangana/ Telugu |          |             |
| 6.    | 03-03-2024 | Prabhata Udayam    | Telangana/ Telugu |          |             |
| 7.    | 04-03-2024 | Samay Ki Rah       | Bhopal/Hindi      | 2        | 20000       |
| 8.    | 04-03-2024 | Abhivyakti Express | Bhopal/Hindi      | 3        | 22000       |
| 9.    | 04-03-2024 | Fine Times         | Bhopal/Hindi      | 4        | 25000       |

|                 |                           |                    |       |
|-----------------|---------------------------|--------------------|-------|
| Publication:    | Telangana Melakuva,<br>Pg | Edition: Telangana | Print |
| Published Date: | March 2, 2024             |                    |       |

The news is about: PACS as Pradhan Mantri Jana Aushadi Kendras

## ప్రధానమంత్రి జన ఔషధ కేంద్రాలుగా ప్రాథమిక వ్యవసాయ సహకార సంఘాలు



కేంద్ర సహకార మంత్రిత్వ శాఖ నిర్ణయం. పథకం వివరాలను వెల్లడించిన రాష్ట్ర సమన్వయకర్త డాక్టర్ ఎన్ఎల్ఎన్ టి శ్రీనివాస్. కరీంనగర్: భారత ప్రభుత్వ రసాయనాలు, ఎరువులు మంత్రిత్వ శాఖకు చెందిన ప్రధానమంత్రి భారతీయ జన ఉషధి, జన కింద ప్రధానమంత్రి భారతీయ జన ఔషధ కేంద్రాలను నిర్వహించేందుకు ప్రాథమిక వ్యవసాయ సహకార సంఘాలకు భారత ప్రభుత్వం అర్హతను కల్పించినదని రాష్ట్ర సమన్వయకర్త డాక్టర్ ఎన్ఎల్ఎన్ టి శ్రీనివాస్ తెలిపారు. గురువారం కరీంనగర్ లో డాక్టర్ శ్రీనివాస్

మాట్లాడుతూ ఈ పథకంలో భాగంగా 33 రాష్ట్రాలు, కేంద్ర పాలిత ప్రాంతాల నుండి 4629 ప్రాథమిక వ్యవసాయ సహకార సంఘాలు తమ ఆన్లైన్ దరఖాస్తు చేసుకోవడం జరిగిందన్నారు. వీటికి 2475 సహకార సంఘాలకు భారత ప్రభుత్వం ప్రాథమిక ఆమోదం ఇవ్వటం జరిగిందని డాక్టర్ శ్రీనివాస్ వివరించారు. జన ఔషధ కేంద్రాలుగా పనిచేయడానికి సిద్ధంగా ఉన్న సహకార సంఘాలకు ఆయా రాష్ట్రాల కంట్రోలర్ ద్వారా 617 డ్రగ్ లైసెన్సులు జారీ చేయబడటం జరిగిందన్నారు. సహకార సంఘాలను ఆర్థికంగా బలపరచేటం చేయడానికి కేంద్ర సహకార మంత్రి శాఖ

తీసుకున్న విప్లవాత్మక నిర్ణయాలలో భాగంగా ప్రాథమిక వ్యవసాయ సహకార సంఘాలకు జన ఔషధ కేంద్రాలుగా పని చేయడానికి అర్హతను కల్పించడం జరిగిందన్నారు. తద్వారా వినియోగదారులకు మార్కెట్ ధర కన్నా అతి తక్కువ ధరకు మందులను అందుబాటులోకి తీసుకురావడం, సంఘాలు ఆదాయ వనరులు పెంచుకోవడానికి అవకాశం ఉంటుంది దీని ద్వారా గ్రామీణ ప్రాంతాలలో సహకార సంఘాల ద్వారా యువతకు ఉపాధి కల్పించడానికి అవకాశం ఉంటుందని డాక్టర్ శ్రీనివాస్ పేర్కొన్నారు.

|                 |                |                    |       |
|-----------------|----------------|--------------------|-------|
| Publication:    | Indraprabha    | Edition: Telangana | Print |
| Published Date: | March 2 , 2024 |                    |       |

The news is about: PACS as Pradhan Mantri Jana Aushadi Kendras

ప్రధానమంత్రి జన ఔషధ కేంద్రాలుగా  
ప్రాథమిక వ్యవసాయ సహకార సంఘాలు...  
కేంద్ర సహకార మంత్రిత్వ శాఖ నిర్ణయం..  
పథకం వివరాలను వెల్లడించిన రాష్ట్ర సమన్వయకర్త  
డాక్టర్ ఎస్ఎల్ఎన్ టి శ్రీనివాస్..



కరీంనగర్(ఇంద్రప్రభ):భారత ప్రభుత్వ రసాయనాలు,ఎరువులు మంత్రిత్వ శాఖకు చెందిన ప్రధానమంత్రి భారతీయ జనఉషధి,జన కింద ప్రధానమంత్రి భారతీయ జన ఔషధ కేంద్రాలను నిర్వహించేందుకు ప్రాథమిక వ్యవసాయ సహకార సంఘాలకు భారత ప్రభుత్వం అర్హతను కల్పించినదని రాష్ట్ర సమన్వయకర్త డాక్టర్ ఎస్ఎల్ఎన్ టి శ్రీనివాస్ తెలిపారు. గురువారం కరీంనగర్ లో డాక్టర్ శ్రీనివాస్ మాట్లాడుతూ ఈ పథకంలో భాగంగా 33రాష్ట్రాలు,కేంద్ర ప్రాంత ప్రాంతాల నుండి 4629ప్రాథమిక వ్యవసాయ సహకార సంఘాలు తమ ఆన్లైన్ దరఖాస్తు చేసుకోవడం జరిగిందన్నారు.వీటికి 2475సహకార సంఘాలకు భారత ప్రభుత్వం ప్రాథమిక ఆమోదం ఇవ్వటం జరిగిందని డాక్టర్ శ్రీనివాస్ వివరించారు.జన ఔషధ కేంద్రాలుగా పనిచేయడానికి సిద్ధంగా ఉన్న సహకార సంఘాలకు ఆయా రాష్ట్రాల కంట్రోలర్ ద్వారా 617డ్రగ్ లైసెన్సులు జారీ చేయబడటం జరిగిందన్నారు.సహకార సంఘాలను ఆర్థికంగా బలపేతం చేయడానికి కేంద్ర సహకార మంత్రి శాఖ తీసుకున్న విప్లవాత్మక నిర్ణయాలలో భాగంగా ప్రాథమిక వ్యవసాయ సహకార సంఘాలకు జన ఔషధ కేంద్రాలుగా పని చేయడానికి అర్హతను కల్పించడం జరిగిందన్నారు.తద్వారా వినియోగదారులకు మార్కెట్ ధర కన్నా అతి తక్కువ ధరకు మందులను అందుబాటులోకి తీసుకురావడం, సంఘాలు ఆదాయ వనరులు పెంచుకోవడానికి అవకాశం ఉంటుంది దీని ద్వారా గ్రామీణ ప్రాంతాలలో సహకార సంఘాల ద్వారా యువతకు ఉపాధి కల్పించడానికి అవకాశం ఉంటుందని డాక్టర్ శ్రీనివాస్ పేర్కొన్నారు.

|                 |                      |                        |       |
|-----------------|----------------------|------------------------|-------|
| Publication:    | Srishti Jagran, Pg 1 | Edition: Mujaffarnagar | Print |
| Published Date: | March 3, 2024        |                        |       |

शपथ लेन के बाद अपने पहले मास में उनका उदघाटन किया और खुदा जगला में कई कार्यक्रमों में शामिल हुई।

जा सकता है। राष्ट्रपति द्वारा मुमु, न एक फरवरी का पत्र पढ़ा गया था।

## केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने शहरी सहकारी बैंकों के अम्बेला संगठन, नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड का किया उद्घाटन

### हर शहर में अर्बन कोऑपरेटिव बैंक बनाने का लक्ष्य लेकर चलना चाहिए: अमित शाह

**डॉ. फलकुमार पर्वार  
सृष्टि जागरण**

नई दिल्ली-केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में शहरी सहकारी बैंकों के अम्बेला संगठन, नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सहकारिता राज्यमंत्री बी एल वर्मा और डॉ. आशीष कुमार भूटानी, सचिव, सहकारिता मंत्रालय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि जब तक सहकारी संस्थाओं के बीच सहकार और परस्पर आगे बढ़ाने की ताकत नहीं दी जाएगी, तब तक हम आगे नहीं बढ़ सकते। उन्होंने कहा कि लगभग 20 साल के संघर्ष के बाद नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की स्थापना हो रही है और वे हम सबके लिए बहुत शुभ दिन है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि पहले सहकारिता मंत्रालय और सहकारिता क्षेत्र

अनेक मंत्रालयों में बिखरा हुआ था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के 75 वर्षों के बाद अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन कर सहकारिता को एक नया जीवन दिया है। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन को एक अम्बेला, सहकारिता मंत्रालय के रूप में मिला है। शाह ने कहा कि सवा सौ साल तक सहकारिता क्षेत्र जूझता रहा और अपने अस्तित्व को बचाता रहा, लेकिन अब सरकारी व्यवस्था के सहयोग से वे द्रुत गति से चलेगा और देश के अर्थतंत्र में अपना सम्मान हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन को जनआंदोलन के स्वरूप में बदलने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में विकास का पैरामीटर सिर्फ आंकड़े नहीं हो सकते, बल्कि देश के विकास में कितने लोगों को सहभागिता है, वे बहुत बड़ा पैरामीटर होना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि वे अम्बेला संगठन समय की जरूरत था और सेल्फ-



रेगुलेशन के लिए एक प्रकार की नई शुरुआत है। उन्होंने कहा कि इस संगठन के बनने के बाद देश में अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों का विकास कई गुना बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी विसवसनीयता के लिए बेहद जरूरी है कि हम खुद को अपग्रेड करें और भारतीय

रिजर्व बैंक के सभी नियमों का पालन करें। उन्होंने कहा कि अगर हम ऐसा नहीं करते तो आने वाले समय में स्पर्धा में नहीं टिक सकेगे। शाह ने कहा कि अम्बेला संगठन का एक प्रमुख काम बीआर एक्ट के लिए छोटे से छोटे बैंक को तैयार करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें हर

शहर में अर्बन कोऑपरेटिव बैंक खोलने का लक्ष्य रखकर आगे बढ़ना चाहिए। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि कोऑपरेटिव फाइनेंस में अच्छा काम करने वाली फ्रेडिड सोसाइटी को बैंक में कन्वर्ट करने के लिए इस अम्बेला संगठन को एक व्यवस्था करनी चाहिए। हमें एक समयबद्ध कार्यक्रम बनाना चाहिए कि हर शहर में एक अर्बन कोऑपरेटिव बैंक कैसे बने। उन्होंने कहा कि कोऑपरेटिव मूवमेंट को जिला रखने के लिए इसे प्रासंगिक भी बनाना होगा और उसका विस्तार भी करना होगा। उन्होंने कहा कि अम्बेला संगठन से छोटे बैंकों को कठे प्रकार को सुविधाएँ मिलेंगी, बैंकों और रेगुलेटर के बीच संवाद का काम भी सुचारु संवाद का काम भी वह अम्बेला ऑर्गेनाइजेशन करेगा। उन्होंने कहा कि इस संगठन को हमारी सोझों को व्यापक और सर्वव्यापी बनाने का काम करना है। उन्होंने कहा कि अगर हम कोऑपरेटिव का विस्तार करना चाहते हैं तो इसके लिए अम्बेला संगठन को मजबूत करना अर्बन

कोऑपरेटिव बैंकों का दायित्व है कि केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि शुरू हुई वे संस्था मात्र एक अम्बेला संगठन नहीं है बल्कि हमारी सारी समस्याओं के समाधान का गेटवे है। उन्होंने कहा कि आम जनता के जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता कोई है तो केवल अर्बन कोऑपरेटिव बैंक है। उन्होंने कहा कि जब देश के प्रधानमंत्री कहते हैं कि हम दुनिया का तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनें, तब मोठे जी के मन में भी यह बात है कि आर्थिक विकास सर्वव्यापी और सर्वव्यापी हो। उन्होंने कहा कि अगर हमें यह कॉन्सेप्ट के साथ आगे बढ़ना है तो हर गाँव, शहर में युवाओं और स्टार्टअप को आगे बढ़ाना है, इसके लिए अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के सिवा कोई रास्ता नहीं है। शाह ने कहा कि यह अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों का अम्बेला संगठन छोटे बैंकों का सुरक्षा कवच है, जिससे हमारे डिपॉजिटर्स का हम पर विश्वास भी बढ़ेगा और आने वाले दिनों में हमारे काम में भी बढ़ोतरी होगी।

|                 |                       |                   |       |
|-----------------|-----------------------|-------------------|-------|
| Publication:    | Srinagar E Jang, pg 1 | Edition: Srinagar | Print |
| Published Date: | March 3, 2024         |                   |       |

The news pertains to the Inauguration of NUCFDC by cooperative minister

# شہری کوآپریٹو بینکوں کی چھتری تنظیم NUCFDC کا افتتاح

## مقصد ہر شہر میں اربن کوآپریٹو بینک قائم کرنا ہونا چاہیے/ امت شاہ



نئی دہلی/ مرکزی وزیر داخلہ اور وزیر تعاون جناب امت شاہ نے آج نئی دہلی میں اربن کوآپریٹو بینکس (یوسی بی) کی تنظیمیشنل اربن کوآپریٹو فنانس اینڈ ڈیولپمنٹ کارپوریشن لمیٹڈ (این یوسی ایف ڈی سی) کا افتتاح کیا۔ اس موقع پر مرکزی وزیر مملکت برائے کوآپریٹو بی ایل و رما اور وزارت تعاون کے سیکریٹری ڈاکٹر آشیش کمار بھوٹانی کے علاوہ دیگر معززین بھی موجود تھے۔/6

|                 |               |                    |       |
|-----------------|---------------|--------------------|-------|
| Publication:    | PRP News      | Edition: Telangana | Print |
| Published Date: | March 3, 2024 |                    |       |

The news pertains to the Inauguration of NUCFDC by cooperative minister

# ఆధునీకరణ దిశగా అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకులు

## కోఆపరేటివ్ బ్యాంకులు

**కేంద్ర సహకార మంత్రిత్వ శాఖ కీలక నిర్ణయం**  
**వివరాలు వెల్లడించిన రాష్ట్ర సమన్వయ కర్త డాక్టర్ ఎన్. ఎల్. ఎన్. టి. శ్రీనివాస్**



కరీంనగర్ (పీఆర్ డి) న్యూస్ ప్రతినిధి: అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకుల కోసం అను సంధాన సంస్థ నేషనల్ అర్బన్ కోఆపరేటివ్ ఫైనాన్స్ అండ్ డెవలప్ మెంట్ కార్పొరేషన్ లిమిటెడ్ (ఎన్ యూ సీ ఎఫ్ డీ సీ)ను న్యూ ఢిల్లీలో కేంద్ర హోం మంత్రి, సహకార మంత్రి అమిత్ షా ప్రారంభించారని, వాటికి సంబంధించిన వివరాలు రాష్ట్ర సమన్వయ కర్త డాక్టర్ ఎన్. ఎల్. ఎన్. టి. శ్రీనివాస్ కనివారం వెల్లడించారు. ఈ సందర్భంగా డాక్టర్ శ్రీనివాస్ మాట్లాడుతూ ప్రతి నగరంలో అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకుల ఏర్పాటు లక్ష్యం కావాలన్నారు. అమిత్ షా ఎన్ యూ సీ ఎఫ్ డీ సీ ఏర్పాటుతో దేశంలో అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకుల అభివృద్ధి అనేక రెట్లు పెరుగుతుందన్నారు. ఎన్ యూ సీ ఎఫ్ డీ సీ అనేది చిన్న బ్యాంకులకు రక్షణ కవచం, డిపాజిటర్ విశ్వాసాన్ని పెంపొందిస్తుందని, లాలోయ్ రోజుల్లో పనిలో మరింత పురోగతిని నిర్ధారిస్తుందన్నారు. ఎన్ యూ సీ ఎఫ్ డీ సీ బ్యాంకుల సంక్షోభ సమయంలో మద్దతుగా ఉండటమే కాకుండా వాటి అభివృద్ధి, ఆధునీకరణ, సామర్థ్యాన్ని పెంపొందించే సాధనం అన్నారు. కేంద్ర హోం మంత్రి, సహకార మంత్రి శ్రీ అమిత్ షా న్యూ ఢిల్లీలో అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంక్స్ (యూ సీ టీఐ), నేషనల్ అర్బన్ కోఆపరేటివ్ ఫైనాన్స్ అండ్ డెవలప్ మెంట్ కార్పొరేషన్ లిమిటెడ్ (ఎన్ యూ సీ ఎఫ్ డీ సీ) సంస్థను ప్రారంభించారు. కేంద్ర సహకార శాఖ సహాయ మంత్రి బి.ఎల్. వర్మ, సహకార మంత్రిత్వ శాఖ కార్యదర్శి డాక్టర్ అశోక్ కుమార్ భూటానీతో పాటు ఇతర ఉన్నతాధికారులు ఈ కార్యక్రమంలో పాల్గొన్నారు. అమిత్ షా తన ప్రసంగంలో, సహకార సంస్థల మధ్య సహకారాన్ని మరియు పరస్పర పురోగతిని ప్రోత్సహించే శక్తిని అందించకపోతే మనం ముందుకు సాగలేమని అన్నారు. దాదాపు 20 ఏళ్ల పోరాటం తర్వాత ఈరోజు ఎన్ యూ సీ ఎఫ్ డీ సీ స్థాపన జరుగుతోందని ఇది మనందరికీ ఎంతో శుభ దినమని పేర్కొన్నారు. ప్రారంభంలో సహకార మంత్రిత్వ శాఖ, సహకార రంగం వివిధ మంత్రిత్వ శాఖలలో వెల్లడయ్యేటట్లుగా ఉన్నాయని కేంద్ర హోం మంత్రి, సహకార మంత్రి పేర్కొన్నారు. స్వాతంత్ర్యం వచ్చిన 75 సంవత్సరాల తర్వాత ప్రధాన మంత్రి నరేంద్ర మోడీ సహకార శాఖకు కొత్త డిపార్ట్ మెంట్ ప్రత్యేక సహకార మంత్రిత్వ శాఖను ఏర్పాటు చేశారని ఆయన పేర్కొన్నారు. సహకార మంత్రిత్వ శాఖ రూపంలో సహకార ఉద్యమానికి గౌరవం వచ్చిందని ఆయన పేర్కొన్నారు. 125 సంవత్సరాలుగా సహకార రంగం పోరాడి తన ఉనికిని కాపాడుకుందని కానీ ఇప్పుడు ప్రభుత్వ వ్యవస్థ మద్దతుతో అది వేగంగా అభివృద్ధి చెందుతుందని మరియు దేశ ఆర్థిక వ్యవస్థలో గౌరవాన్ని సాధిస్తుందని శ్రీ షా తెలిపారు. సహకార ఉద్యమాన్ని ప్రజా ఉద్యమంగా మార్చేందుకు కృషి చేయాలని కోరారు.

చేస్తున్నామని పేర్కొన్నారు. ఈ సంస్థ ఏర్పడిన తర్వాత దేశంలోని అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకుల అభివృద్ధి అనేక రెట్లు పెరుగుతుందన్నారు. రిజర్వ్ బ్యాంక్ ఆఫ్ ఇండియా (ఆర్ బిఐ) యొక్క అన్ని నిబంధనలకు కట్టుబడి ఉండటం, మనస్థిర మనం ఉన్నతీకరించుకోవడం చాలా అవసరం మన విశ్వసనీయతకు కీలకమైన అవసరాన్ని నాశ్చి చెప్పారన్నారు. అలా చేయడంలో విఫలమైతే రానున్న కాలంలో పోటీలో నిలదొక్కుకోలేమని పేర్కొన్నారు. సహకార రూపాల్లో మంచి పనితీరు కనబరుస్తున్న శ్రీ డిటీ సొసైటీలను బ్యాంకులుగా మార్చేందుకు ఈ సంస్థ వ్యవస్థను ఏర్పాటు చేయాలని కేంద్ర హోం మంత్రి, సహకార మంత్రి అన్నారు. ఎన్ యూ సీ ఎఫ్ డీ సీ యొక్క లక్ష్యాలలో ఒకటి శ్రీ డిటీ సొసైటీలు మరియు అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకుల సేవలు మరియు సంఖ్యలను విస్తరించడం అని ఆయన పేర్కొన్నారు. ప్రతి నగరంలో అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకులను ఎలా ఏర్పాటు చేయాలనే దానిపై కాలపరిమితితో కూడిన కార్యక్రమాన్ని రూపొందించాల్సిన అవసరం ఉంది. సహకార ఉద్యమాన్ని నజీవంగా ఉంచుకోవాలంటే దానిని అనుసరిస్తూగా అనుకూలం గా విస్తరించాలని అన్నారు. ఈ సంస్థ చిన్న బ్యాంకులకు వివిధ సౌకర్యాలను అందిస్తుంది, బ్యాంకులు మరియు రెగ్యులేటర్ల మధ్య కమ్యూనికేషన్ ను మెరుగుపరచడానికి కృషి చేస్తుంది. అందరినీ కలుపుకొని పోయేలా చేయడానికి సంస్థ కృషి చేయాల్సిన అవసరం ఉందని శ్రీ షా ఉద్ఘాటించారు. సహకార ఉద్యమాన్ని విస్తృతం చేయాలంటే అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకులను లోపేతం చేయాల్సిన బాధ్యత ఈ సంస్థ దేనిని పేర్కొన్నారు. దేశ వ్యాప్తంగా అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకులు వ్యాపారం నిర్వహించేందుకు క్రియారింగ్ వ్యవస్థను ఏర్పాటు చేయడం చాలా అవసరమని శ్రీ అమిత్ షా అన్నారు. ప్రస్తుతం మనకు 1,500 బ్యాంకులు 11,000 శాఖల సమిష్టి లభించి ఉంది, 5 లక్షల కోట్ల రూపాయల డిపాజిట్లు, మొత్తం 3.50 లక్షల కోట్ల రూపాయల రుణాలు ఉన్నాయని ఆయన పేర్కొన్నారు. ఇది ఒక ముఖ్యమైన లక్ష్యమని, దీనిని మెరుగుపరచడమే కాకుండా, మొత్తం అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకుల వ్యవస్థను పటిష్టం చేయడానికి సమిష్టిగా వినియోగించుకోవడమే లక్ష్యం ఉండాలని శ్రీ షా అన్నారు. దేశంలోని అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకులు తమ నితర ఎన్ఐపి రేటును 2.10%కి తగ్గించాయని, ఇంకా మెరుగుపరచాల్సిన అవసరం ఉందని ఆయన అన్నారు. 25 ప్రారంభించిన ఈ సంస్థ కేవలం ఈ సంస్థ మాత్రమే కాదు, మన సమన్వయం ద్వారా పరిష్కరించే ప్రధాన మార్గం అని కేంద్ర హోం మంత్రి మరియు సహకార మంత్రి పేర్కొన్నారు. సామాన్యల జీవితాల్లో ప్రగతి సాధించాలంటే అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకుల మార్గమని పేర్కొన్నారు. ప్రధాన మంత్రి శ్రీ నరేంద్ర మోడీ భారత్ ప్రపంచంలో మూడో అతిపెద్ద ఆర్థిక వ్యవస్థగా ఎదగడం గురించి మాట్లాడుతున్నప్పుడు, ఆర్థికాభివృద్ధి లో అందరినీ కలుపుకొని, సమగ్రంగా ఉండాలన్న ఆయన సముఖ్యాన్ని ప్రతిబింబిస్తుందని ఆయన అన్నారు. ఈ భావన తో మనం ముందుకు వెళ్లాలంటే ప్రతి గ్రామం మరియు నగరంలో యువతను మరియు స్త్రీలను ప్రోత్సహించాల్సిన అవసరం ఉందని దీనికి యూ సీ టీఐలను మించిన మార్గం లేదని శ్రీ షా ఉద్ఘాటించారు. చిన్న బ్యాంకులకు అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకులకు ఈ సంస్థ రక్షణ కవచమని, ఇది డిపాజిటర్లలో విశ్వాసాన్ని పెంచుతుందని, లాలోయ్ రోజుల్లో ఈ పనిలో మరింత పురోగతి ఉంటుందని అన్నారు.

|                 |                 |                    |       |
|-----------------|-----------------|--------------------|-------|
| Publication:    | Prabhata Udayam | Edition: Telangana | Print |
| Published Date: | March 3, 2024   |                    |       |

The news pertains to the Inauguration of NUCFDC by cooperative minister

# డిపాజిటర్స్ లో విశ్వాసం నెలకొల్పుటలో ఆధునీకరణ దిశగా అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకులు

కేంద్ర సహకార మంత్రిత్వ శాఖ నిర్ణయం  
వివరాలు వెల్లడించిన రాష్ట్ర సమన్వయకర్త డాక్టర్ ఎస్. ఎల్. ఎన్. టి. శ్రీనివాస్

న్యూఢిల్లీ, మార్చి 2(ప్రభాత ఉదయం) అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకుల కోసం అను సందాన సంస్థ నేషనల్ అర్బన్ కోఆపరేటివ్ పైనాస్ అండ్ డివలప్ మెంట్ కార్పొరేషన్ లిమిటెడ్ (ఎన్ యూ సీ ఎఫ్ డీ సీ) ను కేంద్ర హోం మంత్రి, సహకార మంత్రి అమిత్ షా ప్రారంభించారు. స్వాతంత్ర్యం వచ్చిన 75 సంవత్సరాల తర్వాత ప్రధాన మంత్రి నరేంద్ర మోదీ సహకార శాఖకు కొత్త ఊపిరి పోస్తూ ప్రత్యేక సహకార మంత్రిత్వ శాఖను ఏర్పాటు చేశారని ఆయన పేర్కొన్నారు. సహకార మంత్రిత్వ శాఖ రూపంలో సహకార ఉద్యమానికి గొడుగు పట్టించి

ఆయన పేర్కొన్నారు. 125 సంవత్సరాలుగా సహకార రంగం పోరాడి తన ఉనికిని కాపాడుకుంది కానీ ఇప్పుడు ప్రభుత్వ వ్యవస్థ మద్దతుతో అది వేగంగా అభివృద్ధి చెందుతుందని, దేశ ఆర్థిక వ్యవస్థలో గౌరవాన్ని సాధిస్తుందని షా తెలిపారు. సహకార ఉద్యమాన్ని ప్రజా ఉద్యమంగా మార్చేందుకు కృషి చేస్తున్నామని పేర్కొన్నారు. ప్రతి నగరంలో అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకుల ఏర్పాటు లక్ష్యం కావాలని అమిత్ షా అన్నారు. ఎన్ యూ సీ ఎఫ్ డీ సీ ఏర్పాటుతో దేశంలో అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకుల ..మిగతా 2లో



సర్దిఫికెట్ అందజేస్తున్న కేంద్ర హోం శాఖ మంత్రి అమిత్ షా

# డిపాజిటర్స్ లో విశ్వాసం నెలకొల్పుటలో ఆధునీకరణ దిశగా అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకులు

మొదటి పేజీ తరువాయి...

అభివృద్ధి అనేక రెట్లు పెరుగుతుందన్నారు. ఎన్ యూ సీ ఎఫ్ డీ సీ అర్బన్ కోఆపరేటివ్ బ్యాంకుల సమన్వయను పరిష్కరించడానికి ప్రధాన సంస్థ గా వనిచేస్తుంది ఎన్ యూ సీ ఎఫ్ డీ సీ చిన్న బ్యాంకులకు రక్షణ కవచం, డిపాజిటర్ల విశ్వాసాన్ని పెంపొందిస్తుంది, రాబోయే రోజుల్లో పనిలో మరింత పురోగతిని నిర్ధారిస్తుంది. ఎన్ యూ సీ ఎఫ్ డీ సీ బ్యాంకుల సంక్షోభ సమయంలో మద్దతుగా ఉండటమే కాకుండా వాటి అభివృద్ధి, ఆధునీకరణ, సామర్థ్యాన్ని పెంపొందించే సాధనం అన్నారు. ఈ కార్యక్రమంలో కేంద్ర సహకార శాఖ సహాయ మంత్రి బి.ఎల్. వర్మ, సహకార మంత్రిత్వ శాఖ కార్యదర్శి డాక్టర్ ఆశిష్ కుమార్ భూటానీతో పాటు ఇతర ఉన్నతాధికారులు పాల్గొన్నారు.



|                 |                    |                 |       |
|-----------------|--------------------|-----------------|-------|
| Publication:    | Samay Ki Rah, pg 2 | Edition: Bhopal | Print |
| Published Date: | March 4, 2024      |                 |       |

## सहकारिता क्षेत्र को बड़ा बढ़ावा: सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एनयूसीएफडीसी का शुभारंभ किया

सहकारिता मंत्री अमित शाह नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनयूसीएफडीसी) का उद्घाटन किया, जो सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से एक प्रमुख पहल है। एनयूसीएफडीसी (NUCFDC) शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के लिए एक प्रमुख संगठन है।

सहकारिता मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इस पहल का उद्देश्य भारत में शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को आधुनिक बनाना और सशक्त करना है, जिससे बैंकों और उनके ग्राहकों दोनों को लाभ होगा। मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने और सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस अम्ब्रेला संगठन की स्थापना एक और मील का पत्थर साबित होगी। सहकारिता मंत्री नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एनयूसीएफडीसी का उद्घाटन किया। सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, सहकारिता मंत्रालय देश भर में सहकारी प्रयासों को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है। सहकारी बैंक देश में सहकारी आंदोलन का एक अभिन्न अंग हैं। यह देश में यूसीबी के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा, जिससे व्यापार वृद्धि में लंबी छलांग लगाई जा सकेगी। यह प्रौद्योगिकी निवेश और प्रौद्योगिकी मंच के विकास के क्षेत्र में छोटे और मध्यम बैंकों के लिए थोक सौदेबाजी में मदद करेगा। आज देश में यूसीबी की बाजार हिस्सेदारी 3% है जो अम्ब्रेला संगठन एनयूसीएफडीसी के काम करने के बाद 13% तक बढ़ जाएगी। इससे शहरी बैंकों को मध्यम वर्ग की आबादी तक पहुंचने में मदद मिलेगी, बैंकिंग आदतों के विकास को बढ़ावा मिलेगा, प्रौद्योगिकी-आधारित बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच आसान होगी और इस तरह वित्तीय समावेशन के पहलू को पूरा किया जा सकेगा। वर्तमान में, भारत में 1,500 से अधिक अनुसूचित और गैर-अनुसूचित शहरी सहकारी बैंक हैं, जिनमें से लगभग 195 बैंक 100 वर्षों से अधिक समय से सेवा दे रहे हैं। यूसीबी शाखाओं की कुल संख्या 11,000 से अधिक है। इन बैंकों के पास 5.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की जमा राशि है। साथ ही इनके द्वारा 3.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरण किया गया है। एनयूसीएफडीसी को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में कार्य करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) प्राप्त हुआ है, जिससे इस अम्ब्रेला संगठन को शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के लिए एक स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) के रूप में कार्य करने की अनुमति दी जाएगी। इस अम्ब्रेला संगठन की स्थापना से सहकारी बैंकों के लिए विशेष कार्य और सेवाएं सुनिश्चित होंगी, बैंकों और नियामकों के बीच संचार की सुविधा मिलेगी और शहरी सहकारी बैंकों के सामने आने वाली चुनौतियों, जैसे पुरानी प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों और सीमित सेवा पेशकशों इत्यादि का समाधान होगा। एनयूसीएफडीसी का हिस्सा बनकर, अधिकांश बैंक नई तकनीक में अपग्रेड करने और नए उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करने में सक्षम होंगे। यह अम्ब्रेला संगठन जमीनी स्तर पर सकारात्मकता लाकर पूरे देश में सहकारी बैंकों को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करेगा।

|                 |                              |                 |       |
|-----------------|------------------------------|-----------------|-------|
| Publication:    | Abhivyaakti Express, pg<br>3 | Edition: Bhopal | Print |
| Published Date: | March 4, 2024                |                 |       |

## सहकारिता क्षेत्र को बड़ा बढ़ावा: सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एनयूसीएफडीसी का शुभारंभ किया

सहकारिता मंत्री अमित शाह नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनयूसीएफडीसी) का उद्घाटन किया, जो सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से एक प्रमुख पहल है। एनयूसीएफडीसी (NUCFDC) शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के लिए एक प्रमुख संगठन है। सहकारिता मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इस पहल का उद्देश्य भारत में शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को आधुनिक बनाना और सशक्त करना है, जिससे बैंकों और उनके ग्राहकों दोनों को लाभ होगा। मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने और सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस अम्ब्रेला संगठन की स्थापना

एक और मील का पत्थर साबित होगी। सहकारिता मंत्री नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एनयूसीएफडीसी का उद्घाटन किया। सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, सहकारिता मंत्रालय देश भर में सहकारी प्रयासों को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है। सहकारी बैंक देश में सहकारी आंदोलन का एक अभिन्न अंग हैं। यह देश में यूसीबी के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा, जिससे व्यापार वृद्धि में लंबी छलांग लगाई जा सकेगी। यह प्रौद्योगिकी निवेश और प्रौद्योगिकी मंच के विकास के क्षेत्र में छोटे और मध्यम बैंकों के लिए थोक सौदेबाजी में मदद करेगा। आज देश में यूसीबी की बाजार हिस्सेदारी 3% है जो अम्ब्रेला संगठन एनयूसीएफडीसी के काम करने के बाद 13% तक बढ़ जाएगी। इससे शहरी बैंकों को मध्यम वर्ग की आबादी तक पहुंचने

में मदद मिलेगी, बैंकिंग आदतों के विकास को बढ़ावा मिलेगा, प्रौद्योगिकी-आधारित बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच आसान होगी और इस तरह वित्तीय समावेशन के पहलू को पूरा किया जा सकेगा। वर्तमान में, भारत में 1,500 से अधिक अनुसूचित और गैर-अनुसूचित शहरी सहकारी बैंक हैं, जिनमें से लगभग 195 बैंक 100 वर्षों से अधिक समय से सेवा दे रहे हैं। यूसीबी शाखाओं की कुल संख्या 11,000 से अधिक है। इन बैंकों के पास 5.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की जमा राशि है। साथ ही इनके द्वारा 3.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरण किया गया है। एनयूसीएफडीसी को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में कार्य करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) प्राप्त हुआ है।

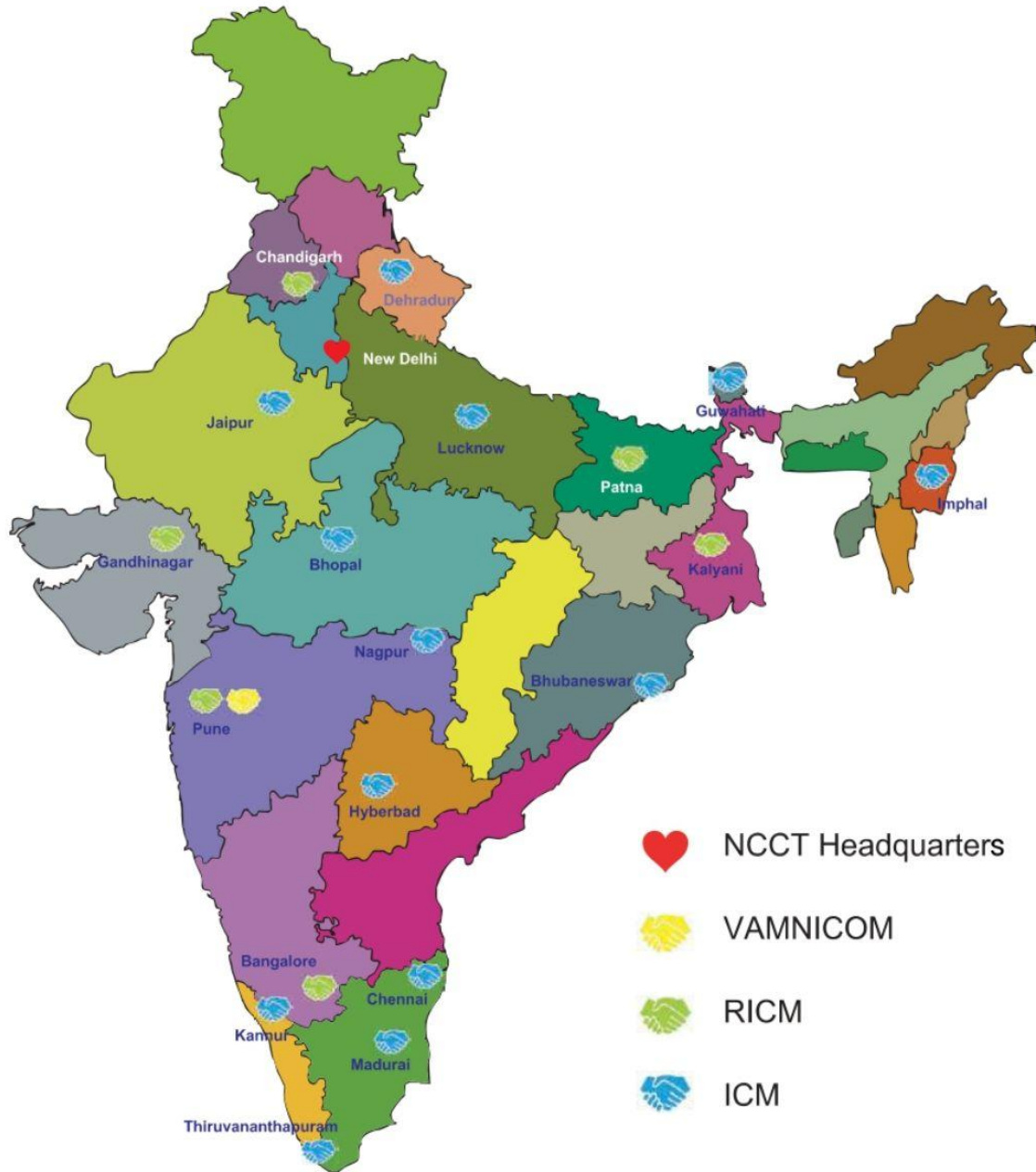
|                 |                  |                 |       |
|-----------------|------------------|-----------------|-------|
| Publication:    | Fine Times, pg 4 | Edition: Bhopal | Print |
| Published Date: | March 4, 2024    |                 |       |

## सहकारिता क्षेत्र को बड़ा बढ़ावा: सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एनयूसीएफडीसी का शुभारंभ किया

सहकारिता मंत्री अमित शाह नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनयूसीएफडीसी) का उद्घाटन किया, जो सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से एक प्रमुख पहल है। एनयूसीएफडीसी (NUCFDC) शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के लिए एक प्रमुख संगठन है।

सहकारिता मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इस पहल का उद्देश्य भारत में शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को आधुनिक बनाना और सशक्त करना है, जिससे बैंकों और उनके ग्राहकों दोनों को लाभ होगा। मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने और सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस अम्ब्रेला संगठन की स्थापना एक और मील का पत्थर साबित होगी। सहकारिता मंत्री नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एनयूसीएफडीसी का उद्घाटन किया। सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, सहकारिता मंत्रालय देश भर में सहकारी प्रयासों को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है। सहकारी बैंक देश में सहकारी आंदोलन का एक अभिन्न अंग हैं। यह देश में यूसीबी के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा, जिससे व्यापार वृद्धि में लंबी छलांग लगाई जा सकेगी। यह प्रौद्योगिकी निवेश और प्रौद्योगिकी मंच के विकास के क्षेत्र में छोटे और मध्यम बैंकों के लिए थोक सौदेबाजी में मदद करेगा। आज देश में यूसीबी की बाजार हिस्सेदारी 3% है जो अम्ब्रेला संगठन एनयूसीएफडीसी के काम करने के बाद 13% तक बढ़ जाएगी। इससे शहरी बैंकों को मध्यम वर्ग की आबादी तक पहुंचने में मदद मिलेगी, बैंकिंग आदतों के विकास को बढ़ावा मिलेगा, प्रौद्योगिकी-आधारित बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच आसान होगी और इस तरह वित्तीय समावेशन के पहलू को पूरा किया जा सकेगा। वर्तमान में, भारत में 1,500 से अधिक अनुसूचित और गैर-अनुसूचित शहरी सहकारी बैंक हैं, जिनमें से लगभग 195 बैंक 100 वर्षों से अधिक समय से सेवा दे रहे हैं। यूसीबी शाखाओं की कुल संख्या 11,000 से अधिक है। इन बैंकों के पास 5.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की जमा राशि है। साथ ही इनके द्वारा 3.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरण किया गया है। एनयूसीएफडीसी को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में कार्य करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) प्राप्त हुआ है, जिससे इस अम्ब्रेला संगठन को शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के लिए एक स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) के रूप में कार्य करने की अनुमति दी जाएगी। इस अम्ब्रेला संगठन की स्थापना से सहकारी बैंकों के लिए विशेष कार्य और सेवाएं सुनिश्चित होंगी, बैंकों और नियामकों के बीच संचार की सुविधा मिलेगी और शहरी सहकारी बैंकों के सामने आने वाली चुनौतियों, जैसे पुरानी प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों और सीमित सेवा पेशकशों इत्यादि का समाधान होगा। एनयूसीएफडीसी का हिस्सा बनकर, अधिकांश बैंक नई तकनीक में अपग्रेड करने और नए उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करने में सक्षम होंगे। यह अम्ब्रेला संगठन जमीनी स्तर पर सकारात्मकता लाकर पूरे देश में सहकारी बैंकों को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करेगा।

# LOCATIONS OF NCCT INSTITUTES



## NATIONAL COUNCIL FOR COOPERATIVE TRAINING

(AN AUTONOMOUS SOCIETY PROMOTED BY MINISTRY OF COOPERATION, GOVERNMENT OF INDIA)

3, Siri Institutional Area (3rd Floor), August Kranti Marg, New Delhi-110016

011-41096510

secy-ncct@gov.in

www.ncct.ac.in

